देहरादून
बुधवार, 22 नवंबर 2017
10

शैल चित्रकला की प्रदर्शनी आज से

एमकेपी कॉलेज के सभागार में होगा आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून।

शैल चित्रकला की दुनिया प्रदर्शनी का आयोजन 22 नवंबर से एमकेपी कॉलेज के सभागार में होगा। प्रदर्शनी 12 दिसंबर तक लगेगी। इस दौरान कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी।

प्रदर्शनी के आयोजन को लेकर मंगलवार को परेड ग्राउंड स्थित दून पुस्तकालय में हुई प्रेसवार्ता के दौरान दून लाइब्रेरी एंड रिसर्च सेंटर के निदेशक बीके जोशी ने कहा कि प्रदर्शनी का आयोजन इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट नई दिल्ली और दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र व एमकेपी कॉलेज के सहयोग से हो रहा है। प्रदर्शनी के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्य सचिव एसके दास और सम्मानित अतिथि पूर्व मुख्य सचिव आरके पांडे रहेंगे। प्रदर्शनी की अध्यक्षता एमकेपी कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. इंदु सिंह करेंगी। प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद विशिष्ट व्याख्यान और कार्यशाला भी होगी। प्रेसवार्ता में इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट के आदि दृश्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. बीएल मल्ला, इतिहासकार प्रो. एमपी जोशी आदि मौजूद रहे।

प्रेसवार्ता में कार्यक्रम की जानकारी देते बीके जोशी।

6 | दैनिक जागरण देहरादून, 22 नवंबर 2017

एमकेपी में चित्रकला प्रदर्शनी आज से

जागरण संवाददाता, देहरादून : दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र व एमकेपी पीजी कॉलेज संयुक्त तत्वावधान में बुधवार से 20 दिवसीय शैल चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित होगी। प्रदर्शनी एमकेपी पीजी कॉलेज कैंपस में होगी। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व मुख्य सचिव एसके दास करेंगे। मंगलवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र नई दिल्ली दृश्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.बीएम मल्ला व दून पुस्तकालय के निदेशक प्रो.बीके जोशी ने प्रेसवार्ता कर शैल चित्रकला प्रतियोगिता की जानकारी दी। बताया कि उद्घाटन सत्र के बाद शैल चित्रकला विषय पर बच्चों की एक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। जबकि शाम चार बजे एमकेपी पीजी कॉलेज के सभागार में पुरातत्वविद व इतिहासकार प्रो.एमपी जोशी 'आर्टफैक्टस, पेट्रोगलिफ्स एंड रॉक पेंटिंग्स' पर विशेष व्याख्यान देंगे। 23 नवंबर को बच्चों के लिए इम्प्रेसेंस शीर्षक के तहत एक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

03 हिन्दुस्तान
देहरादून • बुधवार • 22 नवम्बर 2017

संक्षेप

एमकेपी में आज से शैल चित्रकला पर प्रदर्शनी

देहरादून। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) नई दिल्ली की ओर से महादेवी कन्या पाठशाला में बुधवार से विश्व शैल चित्रकला पर प्रदर्शनी शुरू होगी। आईजीएनसीए के परियोजना निदेशक डा. बीएल मल्ला ने मंगलवार को दून पुस्तकालय में पत्रकारों को बताया कि उत्तराखंड में शैल चित्रकला के स्थल अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, पौड़ी और चमोली जिलों में पाए गए हैं। मानव जाति की ओर से बनाई गई इस सर्वप्रथम रचनात्मक कृति के बारे में आम लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से शैल चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।

अमर उजाला
देहरादून
बृहस्पतिवार, 23 नवंबर 2017

मानवीय प्रयासों की कहानी है शैल चित्रकला

एमकेपी कॉलेज के सभागार में 'शैल चित्रकला की दुनिया प्रदर्शनी' का आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून।

एमकेपी कॉलेज के सभागार में बुधवार को 'शैल चित्रकला की दुनिया प्रदर्शनी' का आयोजन हुआ। साथ ही कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी। जिसमें काफी संख्या में छात्राओं ने हिस्सा लिया।

इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट नई दिल्ली की ओर से दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र व एमकेपी कॉलेज के सहयोग से सभागार में प्रदर्शनी लगाई गई। साथ ही कार्यशाला भी हुई।

मुख्य अतिथि पूर्व मुख्य सचिव आईके पांडे ने शैल चित्रकला मानवीय प्रयासों की कहानी है। आदि मानव ने अपने आश्रय स्थलों, गुफाओं और आसपास की

शैल चित्रकला प्रदर्शनी में कलाकृति देखतीं छात्राएं।

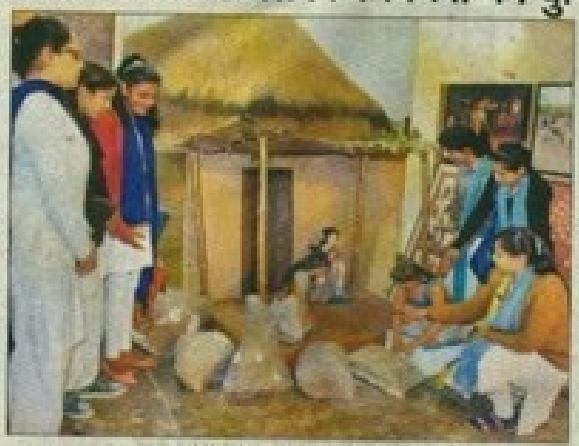

प्रकृति को चित्रों के जरिये उकेरा। जिसके चलते हमें उस समय के

इतिहास, रहन-सहन आदि की जानकारी होती है। उन्होंने पेंटिंग

का इतिहास, विकास आदि के बारे में भी विस्तार से बताया। विशिष्ट

'इंप्रेसेस' विषय पर आज होगी कार्यशाला

एमकेपी सभागार में बृहस्पतिवार को 'इंप्रेसेस' विषय पर कार्यशाला आयोजित की जाएगी। वहीं एन्थ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के डॉ. हर्षवर्धन हरिहर द्वारा 'प्रीहिस्टोरिक रॉक आर्ट इन उत्तराखंड हिमालया' शीर्षक पर विशेष व्याख्यान दिया जाएगा।

अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के आदि दृश्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. बीएल मल्ला ने कहा कि उत्तराखंड में शैल चित्रकला के बेहतरीन उदाहरण अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, पौड़ी और चमोली जिले में मिले हैं।

सबसे ज्यादा शैल चित्रों के स्थल अल्मोड़ा में हैं। प्रदर्शनी का संचालन बीके जोशी और अध्यक्षता एमकेपी की प्राचार्य डॉ. इंदु सिंह ने किया। कार्यशाला में पुरातत्वविद एवं इतिहासकार प्रो. एमपी जोशी ने 'प्रीहिस्टोरिक उत्तराखंड : आर्ट फैक्टस, पैट्रोग्लिफ्स एंड रॉक पेंटिंग्स' पर विशेष व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर एमकेपी कॉलेज की छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद रहीं, जिन्हें सर्टिफिकेट भी बांटे गए।

देहरादून, 23 नवंबर 2017 दैनिक जागरण | 7

एमकेपी में विश्व की शैल चित्रकला प्रदर्शनी शुरू

एमकेपी पीजी कॉलेज के सभागार में दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र की ओर से आयोजित [illegible] विश्व की शैल कला प्रदर्शनी में चित्रकला को निहारती छात्राएं • जागरण

जागरण संवाददाता, देहरादून: विश्व की शैल चित्रकला प्रदर्शनी का बुधवार को एमकेपी कॉलेज में उत्तराखंड के पूर्व मुख्य सचिव आईके पांडे ने शुभारंभ किया। यह प्रदर्शनी कॉलेज में 20 दिन तक आयोजित की जा रही है।

केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के तहत आयोजित प्रदर्शनी में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र दृश्य शाखा के विभागाध्यक्ष डॉ. बीएल मल्ला ने यह जानकारी दी। कहा कि कला केंद्र की देशव्यापी [illegible] में शैल चित्रकला पर आधारित है, उन्होंने उसका एक हिस्सा है। भारत प्रदर्शनी के माध्यम से भ्रमण, [illegible] व विश्व के छात्रों व आम लोगों के बीच भारत जाति इस लिए गए। इस प्राचीन रचनात्मक कृति के बारे में व्यापक जागरूकता लाना है। विश्व की शैल चित्रकला मानवीय प्रयासों की एक आकर्षक गाथा है। दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र देहरादून के निदेशक प्रो. बीके जोशी ने कहा कि शैल चित्रकला मानव जाति की प्रारंभिक रचनात्मकता का नमूना है। इस मौके पर छात्रों के बीच शैल चित्रकला विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। एमकेपी पीजी कॉलेज की प्राचार्य डॉ. इंदु सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस मौके पर पूर्व मुख्य सचिव एन. रविशंकर, चन्द्रशेखर प्रसाद नौटियाल, सुरेंद्र पुंडीर, [illegible] वर्मा, चंद्रशेखर तिवारी आदि मौजूद थे।